रिविस्ट्री सं० डी० 221

REGISTERED No. D. 221



#### **प्रसामारण**

## EXTRAORDINARY

भाग II--काण्ड 3--उपकाण्ड (ii)

YOU 6-9-71

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 350]

नई विल्ली, मंगलवार, जून 22, 1971/शाबाद 1, 1893

No. 350]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 22, 1971/ASADHA 1, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June 1971

S.O. 2449.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy to the public in the State of Bihar or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply [not being any such service falling under sub-clause (viii) of clause (a) aforesaid] would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. EL-II-17(1)/71.] S. N. VINZE, Jt. Secy.

## सिंबाई भौर विश्वत मंत्रालय

# श्रधिसूचना

**मई दि**ल्ली, 22 जून, 1971

का॰ आ॰ 2449.—आवश्यक सेवाएं बनाएं रखने का श्रीधिनियम, 1968 (1968 का 59) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (9) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जिसकी यह राय है कि बिहार राज्य में जनता को विद्युत शक्ति की श्रापूर्ति से या ऐसी श्रापूर्ति के प्रयोजनार्थं विद्युत शक्ति के उत्पादन, भंडारकरण या संवरण से संबंधित ऐसी किसी सेवा में जिं उक्त श्रीधिनियम के खण्ड (क) के उपखण्ड (8) के श्रधीन श्राने वाली सेवा म हो] हड़तालों के परिणामस्वरूप समुदाय को गम्भीर किताई उत्पन्न हो जाएगी, उक्त श्रीधिनियम के प्रयोजनार्थं हर ऐसी सेवा को, एतदुद्वारा, श्रावश्यक सेवा घोषित करनी है।

[सं० बि० दो०-17 (1)/71] श्री० ना० बिस्ते, संयक्त समिव।

### ORDER

New Delhi, the 22nd June 1971

\$.0. 2450.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government hereby prohibits strikes in any service in the State of Bihar connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, which has been declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power, S.O. 2449, dated the 22nd June 1971, to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. EL-II-17(1)/71.] By order and in the name of the President. S. N. VINZE, Jt. Secy.

# श्रावेश

नई दिल्ली, 22 जून, 1971

कार कार 2450.--चसः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोक हिला में निम्न विकास प्रादेश बनाला आवश्यक है:

श्रतः श्रम, श्रायण्यक सेमाएं मनाए रस्नने का श्रश्चिनियम, 1968 (1968 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सम्लियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतच्द्रासः विहार राज्य में ऐसी किसी सेवा में हड़तालो का प्रतिमेय करती है जो जनता की विद्युत शक्ति की आपूर्ति में या ऐसी आपूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत शक्ति के उत्पादन, भंडारकरण या संचरण से संबंधित है प्रीरे जो भारत सरकार के सिचाई और विद्युत मंत्रालय की अधिभूचना सं० का० आ० 2449 तारीख, 22 जून 1971 क्षारा उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए आवश्यक सेवा घोषित की जा चुकी है।

[सं० बि० बो० 17 (1) / 71]
राष्ट्रपति के नाम में भ्रीर उनके आदेश सें।
श्री ना० बिझे, संयुक्त सचिव।